श्रीमती श्यामादेवी
डिग्री कालेज ऑफ साइन्स एण्ड मैनेजमेन्ट

(डॉ0 राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद से सम्बद्ध)

सिसवाँ, रामपुर सकरवारी – अम्बेडकर नगर

(बी0 एड0)

सत्र : 2019...–2021...

छात्राध्यापक / छात्राध्यापिका का नाम........इन्द्र देव........

शैक्षिक योग्यता........B.ed II........

महाविद्यालय अनुक्रमांक....................

विश्व विद्यालय अनुक्रमांक....................

शिक्षण विषय........संस्कृत – मेगा........

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

INDEX

पाठ रूल संख्या	विषय	पाठ का प्रकरण	पृष्ठ संख्या
	संस्कृत	शंकराचार्यः	1-5
	"	चन्द्रशेखर: आजाद:	6-12
	"	काक:	13-19
	"	नीतिश्लोका:	20-25
	"	अहिंसायाः जयः	26-29

हस्ताक्षर पर्यवेक्षक..............................

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या-1

विद्यालय का नाम - श्री मति श्यामादेवी डिग्री कालेज ऑफ साइन्स मैनेजमेन्ट सिसवा रामपुर सकरारी अम्बेडकर नगर।

छात्राध्यापक का नाम इन्द्रदेव प्रजापति

दिनाँक	कक्षा	विषय	कालांश	अवधि
	6	संस्कृत	II	36

प्रकरण शंकराचार्य

सामान्य उद्देश्य

1. छात्रों के शब्द भण्डार में वृद्धि करना। जिसमें वे नये-2 शब्दों को समझकर उनका उचित प्रयोग कर सके।
2. छात्रो में संस्कृत भाषा का विकास करना।
3. छात्रो की लेखन शैली में विकास करना।
4. छात्रों की मानसिक शक्ति के साथ-2 जागरूकता उत्पन्न करना।
5. छात्रों में विविध पाठ के माध्यम से कल्पना शक्ति का विकास करना।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

विशिष्ट उद्देश्य	
ज्ञानात्मक उद्देश्य	1. छात्रों को शंकराचार्य पाठ के महत्व को बताना।
भावात्मक उद्देश्य	1. छात्र संस्कृत - साहित्य को पढ़ने में रुचि लेंगे।
	2. छात्र शंकराचार्य पाठ के महत्व को अपने शब्दों में व्यक्त करेंगे।
	3. छात्र प्रस्तुत पाठ से मिलने वाली शिक्षण को बताएंगे।

सहायक सामग्री

चार्ट, डस्टर, सफेद श्यामपट्ट फ्लैश कार्ड आदि।

पूर्वज्ञान

छात्र महान पुरुषों के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना प्रश्न

क्र॰स॰	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र:/छात्रा क्रिया
1.	कालडीग्राम: कस्मिन राज्ये अस्ति	केरल राज्ये

SMT. SHYAMA DEVI
Degree college of Science & Management

Teacher's Signature : ....

2.	शङ्करस्य पिता कदा दिवंगता ?	बाल्यकाले
3.	माता पुत्रं केन गृहीतम् अपश्यत् ?	मकरं
4.	सम्पूर्ण भारत वर्षे शंकरस्य कस्य प्रचारम् अकरोत् ?	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन –

बच्चों। आज हम लोग शंकराचार्य करेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्रा क्रिया	श्यामपट्टकार्य
1.	केरल राजस्य- आसीत्		
आदर्शवाचन	अध्यापक उचित आरोह अवरोह के साथ-पाठ का आदर्श वाचन करेगी।	छात्र / छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेगी।	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

अर्थ – केरल नदी के पूर्णा नदी के तट पर एक गाँव है गाँव का नाम कालड़ी है। 788 ई० वर्ष में शंकराचार्य का जन्म हुआ। शंकर के बाल्यकाल में ही शिवगुरु दिवंगत हुए। अतः आर्याम्बा ने ही शंकरा का पालन पोषण किया। इसके पिता का नाम शिवगुरु तथा माता का नाम आर्याम्बा था। बाल्यकाल से ही वे प्रतिभासम्पन्न थे।		
अनुकरण वाचन		
छात्राध्यापक छात्रों को अनुकरण वाचन करायेंगे तथा कठिन शब्दों का अर्थ बतायेंगी।		
2. आदर्शवाचन – एकदा .... इतिअवदत्। छात्राध्यापक उचित आरोह-अवरोह के साथ पाठ का आदर्शवाचनकरेगी।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेगे।	प्रविशत प्रवेश किये
अर्थ– एक बार शंकर स्नान के लिए नदी में प्रवेश किये वहा एक मगर उनको पकड़ लिया वह उच्च स्वर में		आक्रोशयत – चिल्लाये

में चिल्लाये। यह सुनकर माता नदी के तट पर आयी। तब शंकर माता से बोला अम्बे! मुझे सन्यास ग्रहण करने की अनुमति दे। तभी मैं मगर से मुक्त हो पाऊँगा। आर्यम्बा की शंकर के सन्यासी होने की इच्छा न थी किन्तु पुत्र का कष्ट देखकर जैसे तुम्हे अच्छा लगे वैसा करो। ऐसा बोली।

पुनरावृत्ति कार्य

कालडी ग्रामे कास्मिना राज्ये आसीत्

गृहकार्य

सन्धि विच्छेद कुरुत

शंकराचार्यः

सर्वोदयः

ओंकरेश्वरम्

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. 6

पाठ योजना संख्या-2

विद्यालय का नाम श्री मति श्याम देवी डिग्री कॉलेज आफ सांइस मैनेजमेन्ट सिसवा रामपुर सकरवारी अम्बेडकर नगर।

दिनांक	कक्षा	विषय	अवधि	कालांश

प्रकरण — चन्द्रशेखर आजाद:

सामान्य उद्देश्य 1. छात्रों के शब्द भण्डार में वृद्धि करना जिससे वे नये-नये शब्दों को समझकर उनका उचित प्रयोग करे।

2. वह पाठगत ध्वनियों शब्दों एवं वाक्यों का शुद्ध उच्चारण करेगे।

3. छात्रों में संस्कृत भाषा के प्रति अनुराग उत्पन्न करना।

4. छात्रों के लेखन शैली में विकास करना।

5. लेखक के भावों विचारो के अनुसार गद्यांश का वाचन करने में एकाग्रता पर कर सकें।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

विशीष्ट उद्देश्य	
(i) ज्ञानात्मक उद्देश्य	छात्रों को चन्द्रशेखर: आजाद: पाठ के महत्व के विषय को बताना।
(ii) भावात्मक उद्देश्य	छात्र संस्कृत साहित्य को पढ़ने में रूचि लेंगे।
	छात्र चन्द्रशेखर: आजाद: के महत्व को अपने शब्दों में व्यक्त करेंगे।
(iii) मनोगत्यात्मक उद्देश्य	छात्र चन्द्रशेखर: आजाद: पाठ के गद्यांशों का प्रभावशाली वाचन करेंगे।

सहायक सामग्री

चार्ट, फ्लैशकार्ड, लपेटश्याम पट्ट, प्रोजेक्टर, चाक, डस्टर आदि।

पूर्वज्ञान

छात्र महान पुरुषों के बारे में सामान्य जानकारी रखते हों।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

प्रस्तावना

क्र. सं.	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्रा क्रिया
	आजादस्य पूर्ण नाम किम् ?	चन्द्रशेखर: आजाद:
	वेत्र प्रहारकाले आजाद: किम् उद्घोषयत् ?	भारत माता जयतु
	चन्द्रशेखर: आजाद: नाम्ना पाठस्य किम् जानासि ?	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन

बच्चों आज हम लोग चन्द्रशेखर: आजाद: पाठ का विस्तृत अध्ययन करेंगे ।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्रा / छात्र	श्यामपट्ट
(i)	संस्कृतस्य - - - इति ?		

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

आदर्शवाचन	छात्राध्यापक उचित आरोह-अवरोह के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेंगे	छात्र / छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	
	अर्थ		
	चन्द्रशेखर आजाद संस्कृत विषय के छात्र थे। जो वाराणसी में पढ़ते थे जब ये ग्यारह वर्ष के थे तब जालियां वाले क्रूर काण्ड को सुनकर उन्होंने न प्रतिज्ञा किया कि इस क्रूर शासन को किसी भी प्रकार से उखाड़ फेकूंगा।		
अनुकरण-वाचन	छात्राध्यापक छात्रों को अनुकरण वाचन करायेंगे तथा कठिन शब्दों का अर्थ बतायेंगे	छात्र उसका अनुकरण करेंगे।	
२.	**शीघ्रमेव . . . . . . समचालयत्**		
	अर्थ	छात्र / छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	
	शीघ्र ही वह समय आ गया भारत में ब्रिटिश शासन आ गया भारत में कुछ आयोजन किया। भारतीय लोगो उसके बहिष्कार का निश्चय किये। वाराणसी के कवीसंकल्पसज्ज गम से विख्यात संस्कृत		

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

	विद्यालय के प्रांगण में आजाद ने बहिष्कार आन्दोलन संचालित किया।		
अनुकरण वाचन	छात्राध्यापक छात्रों को अनुकरण वाचन करायेंगे तथा कठिन शब्दों का अर्थ बतायेंगे। बैत्र प्रहारक - - - - नामवत्।		
आदर्श वाचन	छात्राध्यापक उचित आरोह-अवरोह के साथ पाठ का आदर्श वाचन करायेंगे।	छात्र / छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	
	अर्थ बेत से प्रहार करने वाला निर्दयी करके पीठ पर निर्दयता पूर्वक प्रहार किया। पीठ के चमड़े उधड़ गये। वे प्रत्येक बेत पर भारत बोलते रहे इसके बाद मूर्छित हो गये।		
अनुकरण वाचन	छात्राध्यापक छात्रों को अनुकरण वाचन करायेंगे तथा कठिन शब्दों का अर्थ बतायेंगे।	छात्र उसका अनुकरण करेंगे।	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

पुनरावृत्ति कार्य

(1.) कस्य स्वागतस्य बहिष्काराय जनाः निश्चयम् अकुर्वन

(2.) वेत प्रहार काले आजादः किम् उद्घोषयत् ?

गृह कार्य

(1) उदाहरण अनुसारं लकारपरिवर्तनं

कुरुत
अपृच्छत
अशृणोत्
अगच्छत्

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या-3

विद्यालय का नाम श्रीमती श्यामा देवी डिग्री कालेज ऑफ साइन्स मैनेजमेन्ट सिसवा रामपुर बकवारी अम्बेडकर नगर

दिनांक	कक्षा	विषय	समय	कालांश

प्रकरण काक:

सामान्य उद्देश्य

(1) छात्रों के शब्द भण्डार में वृद्धि करना। जिसमें वे नये-2 शब्दों को समझकर उनका उचित प्रयोग कर सकें।

2 वह पाठगत ध्वनियों शब्दो एवं वाक्यो का शुद्ध उच्चारण करेंगे।

• छात्रों में संस्कृत भाषा का विकास करना।

छात्रों के लेखन शैली में विकास करना।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

लेखक भावों विचारों के अनुसार पद्यांश का वाचन करने की क्षमता प्राप्त कर सके।

छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने में सहायता करना।

छात्रों को अपने चरित्र विकास में सहायता मिल सके।

विशिष्ट उद्देश्य

1. ज्ञानात्मक उद्देश्य

छात्रों को काक: पाठ के महत्व के विषय में बताना।

2. भावात्मक उद्देश्य

(1) छात्र काक: पाठ के महत्व को अपने शब्दों में व्यक्त करेंगे।

(2) छात्र प्रस्तुत पाठ से मिलने वाली शिक्षा को बतायेंगे।

3. मनोगत्यात्मक उद्देश्य

छात्र काक: पाठ के पद्यांश का प्रभावशाली वाचन करेंगे।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

सहायक सामग्री

चार्ट, फ्लैशकार्ड, लपेट श्यामपट्ट चाक, डस्टर आदि

पूर्वज्ञान

छात्र बुद्धि द्वारा किये गये कार्य के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना

क्र०सं०	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र/छात्रा क्रिया
1.	तृषापीडित: क: आसीत ?	काक:
2.	स: दूरे - दूरे किम् न अलभत ?	जलं
3.	बुद्धिपूर्वक यत्नं कुर्वते काक: सफलता न लभते ?	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन

छात्रों आज हम लोग काक: नामक पाठ का विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
(1)	एकः काकः ---- नगरे - नगरे		
आदर्श वाचन	छात्राध्यापक उचित आरोह-अवरोह के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे	
	अर्थ एक कौआ प्यास से व्याकुल था। उसने दूर-दूर तक कहीं जल नहीं पाया वह बेचारा जल के लिए एक वृक्ष से दूसरे वृक्ष पर गया। एक गाँव से दूसरे गाँव तथा एक नगर से दूसरे नगर को गया।		काकः कौआ तृषाःपीडित प्यास से व्याकुल न अलभत् नहीं पाया वृक्षात्: वृक्ष से वराकः
अनुकरणवाचन	छात्राध्यापक छात्रों को अनुकरण वाचन करायेंगे। तथा कठिन शब्दों का अर्थ बतायेंगे।	छात्र उनका अनुकरण करेंगे।	बेचारा
2.	एकं सहसा ---- एक ---- काकः जलमध्ये।		

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

आदर्श वाचन

आदर्श वाचन	छात्राध्यापक उचित आरोह अवरोह के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।	छात्र / छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	सहसा - अचानक खण्डम - टुकड़ा पाषाणानाम् - पत्थरों के क्षिप्तवान - डाला दृष्टवान - देखा
अर्थ -	अचानक एक घड़ा दिखाई पड़ा। घड़े में जल बहुत दूर था। कौवे ने जल के मध्य में पत्थर के टुकड़े डाले।		
अनुकरण वाचन	छात्राध्यापक छात्रों में अनुकरण वाचन करायेंगे। तथा कठिन शब्दों का अर्थ बतायेंगे।	छात्र उसका अनुकरण करेंगे	
3.	~~घट कण्ठ~~ ~~— — लभते का ? क:?~~		
आदर्श वाचन	छात्राध्यापक उचित आरोह-अवरोह के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।	छात्र / छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	
अर्थ	घड़े में जल ऊपर आ गया कौआ उसको पीकर सन्तुष्ट हुआ। बुद्धि द्वारा यत्न पूर्वक कार्य करने में किसको सफलता नहीं मिलेगी अर्थात सबको मिलेगी।		सम्प्राप्त - प्राप्त किया नीरं - जल पीना पीकर का - कौन (स्त्री का - कौन

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

Page No. 17

अनुकरण वाचन	छात्राध्यापक छात्रों में अनुकरण वाचन करेंगे तथा कठिन शब्दों का अर्थ बतायेंगे |	छात्र उनका अनुकरण करेंगे	पुस्तक

पुनरावृत्ति कार्य

तृषा पीडित: का: आसीत ?

वृक्षाद वृक्षं क: गत: ?

काक: सहसा किं दृष्टवान् ?

गृह कार्य –

काक: घटे किं क्षिप्तवान ?

काका पाषाण खण्डान – कृत आक्षिपत

Teacher's Signature: ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

पाठ योजना संख्या-5

विद्यालय का नाम

अ

दिनांक	कक्षा	विषय	कक्षांश	अवधि

प्रकरण नीतिश्लोका 1.

सामान्य उद्देश्य

(1) छात्रों के शब्द भण्डार में वृद्धि करना। जिससे वे नये-नये शब्दों को समझकर उनका उचित प्रयोग कर सके।

(2) वह पाठ्यक्रम ध्वनियों शब्दों एवं वाक्यों का शुद्ध उच्चारण करेंगे।

(3) उन्हें संस्कृत भाषा से परिचय प्राप्त हो सके जिससे वे पाठगत भावों विचारों को ग्रहण कर सके।

(4) छात्रों में संस्कृत भाषा का विकास करना

(5) छात्रों की लेखन शैली में विकास करना।

(6) छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने में सहायता प्रदान करना।

(7) छात्रों में मानसिक शक्ति के साथ-2 जागरूकता उत्पन्न करना है।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

विशिष्ट उद्देश्य	
(i) ज्ञानात्मक उद्देश्य	छात्र नीति श्लोकाः पाठ के महत्व को बतायेंगे ।
(ii) भावात्मक उद्देश्य	छात्र संस्कृत साहित्य की पढ़ने में रूचि लेंगे ।
2	छात्र नीतिश्लोकाः पाठ के महत्व को अपने शब्दों में व्यक्त करेंगे ।
3.	छात्र प्रस्तुत पाठ से मिलने वाली शिक्षा को बतायेंगे ।
4.	छात्र नीति श्लोकाः पाठ के पद्यांश का प्रभावशाली वाचन करेंगे ।
मनोगत्यात्मक उद्देश्य	
सहायक सामग्री –	कक्षोपयोगी उपकरण ।
पूर्वज्ञान	छात्र नीतिश्लोकाः के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं ।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

प्रस्तावनाके प्रश्न

क्र.सं.	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्रा क्रिया
1.	अनृतं केन जयेत ?	सत्येन
2.	भोजनान्ते के विवेद ?	तक्र
3.	न्यायात पथः पदं केन प्रविचलान्ती	धीराः पुरुषः
4.	अन्येषां नीतिश्लोकानां बोध किम् कारयत ?	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन बच्चों ! आज हम लोग नीतिश्लोकाः पाठ का अध्ययन करेंगे ।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण विन्दु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्रा: क्रिया	श्यामपट्टकार्य
1.	अक्रोधेन - - - - - - - - - चान्ततम्		
आदर्शवाचन -	छात्राध्यापक उचित आरोह अवरोह के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेंगे ।	छात्र / छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेगे ।	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

अर्थ	क्रोध को अक्रोध से जीतना चाहिए। असज्जनता को सज्जनता से जीतना चाहिए। कृपनता को दान से जीतना चाहिए। तथा झूठ को सत्य से जीतना चाहिए।		जयेत-जीते कदर्यम कृपनता को अनृतं-झूठ की
अनुकरण वाचन	छात्राध्यापक छात्रो मे अनुकरण वाचन करायेगी तथा कठिन शब्दो का अर्थ बतायेगी।	छात्र उसका अनुकरण करेंगे	
2.	षडदोषा — — दीर्घ सूत्रता		
आदर्श वाचन	अध्यापक उचित आरोह-अवरोह के साथ आदर्श वाचन करायेगी	छात्र / छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	भूतिमिच्छता सम्पातिरे स्वयं चाहने वाले तन्द्रा जागते हुए दीर्घसूत्रता धीरे-धीरे कार्य करना आलस्य शिथिलता
	सम्पात्ति, रे श्वर्य चाहने वाले पुरुष को निद्रा सोते हुए जानना भय आलस्य तथा धीरे-धीरे कार्य करने की आदत इन छः दोषो का त्याग कर देना चाहिए अर्थात छोड देना चाहिए		
अनुकरण वाचन	छात्राध्यापक छात्रा मे अनुकरण वाचन करायेगी तथा कठिन शब्दो का अर्थ बतायेगी	छात्र उसका अनुकरण करेंगे।	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

	निन्दन्तु ... पदं न धीरा:		
आदर्श वाचन	छात्राध्यापक उचित आरोह अवरोह के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेगी।	छात्र / छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेंगे	निन्दन्तु निंदा करो
अर्थ	नीति में निपुण लोगों कि निंदा की जाए स्तुति कि जाए। लक्ष्मी आये अथवा चली जाये आज ही मरण हो अथवा युगों के बाद हो - धैर्यवान लोग के पैर न्याय्य के पथ से कभी विचलित नहीं होते।		
अनुकरणवाचन	छात्राध्यापिका छात्रों से अनुकरण वाचन करायेंगी तथा कठिन शब्दों का अर्थ बतायेंगी	छात्र उसका अनुकरण करेंगे।	
पुनरावृत्ति कार्य	1. अन्ते किम जयेत ? 2. भोजनान्ते किम विवेत ?		
गृहकार्य -	न्याय्यात पथः पदं केन प्रविचलन्ति ? 1. श्लोकानां सामूहिकं पाठ कारयतु।		

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या-5

विद्यालय का नाम श्रीमती श्यामा देवी डिग्री कॉलेज ऑफ साइंस मैनेजमेंट श्यामा सरस्वती धर्मा नगर

दिनांक	कक्षा	विषय	कालांश	अवधि

प्रकरण अहिंसाया: जय:

सामान्य उद्देश्य

1. छात्रों के शब्द भण्डार में वृद्धि करना जिससे नये-२ शब्दों को समझकर उनका उचित प्रयोग कर सके
2. वह पाठगत ध्वनियों शब्दों एवं वाक्यों का शुद्ध उच्चारण करेंगे।
3. छात्रों को अपने चरित्र विकास में सहायता मिल सके।
4. छात्रों में संस्कृत भाषा के प्रति अनुराग उत्पन्न करना
5. लेखक भावों और विचारों के अनुसार कथांश का वाचन करना में एकाग्रता प्राप्त कर सके।
6. छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने में सहायता प्रदान करना।
7. छात्रों की लेखक शैली में विकास करना।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

विशिष्ट उद्देश्य

(i) ज्ञानात्मक उद्देश्य — छात्र अहिंसाया: जय: पाठ के महत्व को बतायेंगे

(ii) भावात्मक उद्देश्य — छात्र संस्कृत साहित्य को पढ़ने में रुचि लेंगे।

2. छात्र अहिंसाया जय: पाठ के महत्व को अपने शब्दों में व्यक्त करेंगे।

3. छात्र प्रस्तुत पाठ से मिलने वाली शिक्षा को बतायेंगे

(iii) मनोगत्यात्मक उद्देश्य — छात्र अहिंसाया जय: पाठ के पद्यांश का प्रभावशाली वाचन करेंगे।

सहायक सामग्री — चॉक डस्टर लपेट श्यामपट्ट फ्लैश कार्ड प्वाइंटर

पूर्व ज्ञान — छात्र अहिंसाया जय: पाठ के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

प्रस्तावना के प्रश्न

क्र. सं.	छात्राध्यापक क्रिया	छात्रा क्रिया
1.	कौशल देशे कः दस्युः आसीत्	अङ्गुलिमाल
2.	अङ्गुलियासास्य दुष्कृत्यों के कुपिता आसन ?	प्रजा
3.	अङ्गुलिमाल हिंसा परित्यज्य के भाव प्राप्नोत्	दयाभाव

उद्देश्य कथन

बच्चों! आज हम लोग अहिंसाया जयः पाठ का विस्तार पूर्वक अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र: क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
(1)	पुरा - - - - - - ख्याति जातः		
आदर्श वाचन -	छात्राध्यापक उचित आरोह अवरोह के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।	छात्रः छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

अर्थ	प्राचीन काल में कौशल देश में एक भयंकर डाकू रहता था। उसका नाम अङ्गुलिमाल था। लोगों को लूटना मारना उसका रोज का कार्य था। वह जिसको मारता था उसकी अंगुली काटकर माला बनाकर गले में धारण करता था। अतः वह अंगुलिमाल इस नाम से विख्यात था।		पुरा प्राचीन काल भीषण भयङ्कर दस्यु: डाकू लोकानाम जनता का लुण्ठनम लूटना
अनुकरण वाचन -	छात्राध्यापक छात्रों से अनुकरण वाचन करायेगी तथा कठिन शब्दों का अर्थ बतायेगी।	छात्र उसका अनुकरण करेंगे।	असौ वह।
(3)	अंगुलिमालस्य ------ न्यवेदयता		
आदर्श वाचन -	छात्राध्यापक उचित आरोह-अवरोह के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेगी।	छात्र/छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेगे।	भूराम अतिशय निग्रहणे पकड़ने में
अर्थ -	अंगुलिमाल के दुराचार से प्रजा अत्यन्त दुःखी थी राजा उसके क्रूर कृत्य से अत्यन्त कष्ट को प्राप्त हो रहे थे राजा ने उसके पकड़ने का बहुत प्रयास किया सैन्यबल की		प्रायतत प्रयास संक्रिया प्रेषयत भेजा

Teacher's Signature : ....

	को भिक्षा पर सफल नहीं हुए भगवान बुद्ध के शिष्य प्रसेनजित ने तब उस विषय पर बुद्ध से निवेदन किया।		
अनुकरण वाचन -	छात्राध्यापक छात्रों से अनुकरण करायेंगे। तथा कठिन शब्दों का अर्थ बतायेंगे।		
3.	**पद्यम् - - - विजयोऽभवत्:**		
आदर्शवाचन	छात्राध्यापक उचित आरोह-अवरोह के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।	छात्र / छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	
अर्थ -	बुद्ध के उपदेश के प्रभाव से अंगुलिमाल का अज्ञान अंधकार नष्ट हो गया। वह अपनी अंगुली माला को तलवार से काटकर फेंक वह हिंसा को त्यागकर दयाभाव को प्राप्त हुआ। वह बुद्ध का शिष्य बन गया। इस प्रकार हिंसा पर अहिंसा की विजय होती है।		प्राक्षिपत: फेंक दिया हिंसामाम हिंसा पर

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

पुनरावृत्ति कार्य —

कौशल देश कः दस्युः आसीत् ।

कस्य उपदेश प्रभावात् अङ्गुलिमालस्य अज्ञानान्धकारः नष्टः अभवत ।

गृहकार्य —

अहिंसया हिंसा जेतुं शक्नुमः एतद् विषये छात्रान् बोधयत ?

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature ....

Date ....

Expt. No. ....

पाठ योजना संख्या-८

विद्यालय का नाम श्रीमती श्यामादेवी डिग्री कॉलेज ऑफ साइंस मैनेजमेंट सिमरा रमपुरा सकराती अम्बे० नगर।

दिनांक	कक्षा	विषय	कालांश	अवधि
8		संस्कृत	II	35

प्रकरण – 'सुभाषितानि

सामान्य उद्देश्य

1. छात्रों के शब्दों में भण्डार में वृद्धि करना। जिसमें वे नये-नये शब्दों को समझकर उनका उचित प्रयोग कर सके।
2. वह पाठगत ध्वनियों शब्दों एवं वाक्यों का शुद्ध उच्चारण करेंगे। छात्रों की लेखन शैली में विकास करना।
3. छात्रों की लेखन शैली में विकास करना।
4. छात्रों को अपने चरित्र विकास में सहायता मिल सके।
5. संस्कृत भाषा के प्रति उनमें अनुराग उत्पन्न करना।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

विशिष्ट उद्देश्य -

(i) ज्ञानात्मक उद्देश्य - छात्रों की सुभाषितानि पाठ के महत्व की विषय को बताना।

(ii) भावात्मक उद्देश्य - छात्र संस्कृत साहित्य की पढ़ने में रुचि लेंगे।

छात्र सुभाषितानि पाठ के महत्व को अपने शब्दों में व्यक्त करेंगे।

छात्र प्रस्तुत पाठ से मिलने वाली शिक्षा को बतायेंगे।

क्रियात्मक उद्देश्य - छात्र सुभाषितानि पाठ में पद्यांश का प्रभाव शाली वाचन करेंगे।

सहायक सामग्री — चार्ट, फ्लैश, कार्ड, चाक, डस्टर लपेट, श्यामपट्ट, प्वाइंटर

पूर्वज्ञान — छात्र प्रिय एवं सत्य वाणी बोलने की विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

प्रस्तावना के प्रश्न

क्र.सं.	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्रा: क्रिया:
	धनत्यागी किं न भवति ?	विद्या
	द्वितीये किं नार्जितम् ?	धनम्
	सर्वतीर्थमयी का अस्ति ?	माता
	सर्वजन्तवः केन तुष्यन्ति ?	प्रियवाक्य प्रदाने न

उद्देश्य कथन —

बच्चो ! आज हम लोग सुभाषितानि पाठ का विस्तृत अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण —

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रियाः	छात्र/छात्रा क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
(i)	धनाढ्या : - - - - - - - - करिष्यति॥		
आदर्श वाचन -	छात्राध्यापक उचित आरोह अवरोह के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।	छात्र/छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	
अर्थ -	क्षण और कण द्वारा		

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

	विद्या का चिन्तन करना चाहिए क्षण के त्याग देने से विद्या नहीं मिलती तथा के त्याग देने से धन नहीं मिलता है। पहले विद्या नहीं प्राप्त किया तीसरे धर्म नहीं प्राप्त किया तो चौथे में क्या करेंगे।		क्षणशः - प्रतिक्षण - चिन्तयेत - चिन्तन करना चाहिए। नहीं प्राप्त किया।
अनुकरण वाचन	छात्राध्यापक छात्रों से अनुकरण वाचन करायेंगे। तथा कठिन शब्दों का अर्थ बतायेंगे।	छात्र उसका अनुकरण करेंगे।	
2.	सर्वतीर्थमयी — — — दरिद्रता		
आदर्शवाचन	छात्राध्यापक उचित आरोह-अवरोह के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।	छात्र / छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	
अर्थ —	सभी तीर्थों के समान माता है। तथा सभी देवों के समान पिता इसलिए सभी को यत्न पूर्वक माता-पिता की पूजा करनी चाहिए प्रिय वाक्य प्रदान करने से सभी जन्तु तुष्ट होते हैं। इसलिए वैसा ही बोलना चाहिए बोलने में क्या दरिद्रता है।		तुष्यन्ति - तुष्ट होते हैं। वक्तव्यम बोलना चाहिए अन्तत ...

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

अनुकरण वाचन –	छात्राध्यापक छात्रों में अनुकरण वाचन करायेगी। तथा कठिन शब्दों का अर्थ बतायेगी।	छात्र उसका अनुकरण करेगी।	
3.	**सत्यं ब्रूयात - - - - - - -**		
	पुंसाम्		
आदर्शवाचन	छात्राध्यापक उचित आरोह - अवरोह के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेगी।		
अर्थ	सत्य बोलना चाहिए प्रिय बोलना चाहिए प्रिय और सत्य बोलना चाहिए प्रिय किन्तु झूठ नहीं बोलना चाहिए यह सनातन धर्म है। सत्यवाणी बुद्धि की जड़ता को नाश करती है। मन की उन्नति दर्शाती पापों को दूर करती है। और लक्ष्मी अपनी कीर्ति चारो दशाओ में धन फैलाती है। इसलिए व्यक्ति सत संगति करो।		

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

पुनरावृत्ति कार्य

1. सर्वतीर्थमयी का अस्ति ?
2. सर्वे जन्तवः केन तुष्यन्ति ?
3. कीदृशं प्रियं न ब्रूयात ?

गृहकार्य –

1. विद्यार्थी जीवने विद्या न अर्जनीया ?

सत्संगति किमपि पुंसा न करोति ?

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या – 7

विद्यालय का नाम श्रीमती श्यामा देवी डिग्री कॉलेज ऑफ साइंस एंड मैनेजमेंट रमपुरा सकलडीहा

दिनांक	कक्षा	विषय	कालांश	अवधि

प्रकरण – यक्ष युधिष्ठिर - संवाद:

सामान्य उद्देश्य

1. छात्रों के शब्द भण्डार में वृद्धि करना। जिसमें वे उचित नये शब्दों को समझकर प्रयोग कर सकें।
2. छात्रों की लेखन शैली में विकास करना।
3. संस्कृत भाषा के प्रति उनमें अनुराग उत्पन्न करना।
4. छात्रों को अपने चरित्र विकास में सहायता मिल सकें।
5. उन्हें संस्कृत भाषा में परिचय प्राप्त हो सकें।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

विशिष्ट उद्देश्य	
(i) ज्ञानात्मक उद्देश्य	(i) छात्र 'यक्षयुधीष्ठिर - संवादः' पाठ के महत्व को बतायेंगे।
(ii) भावात्मक उद्देश्य	(i) छात्र संस्कृत साहित्य को पढ़ने में रुचि लेंगे।
	२. छात्र 'यक्षयुधीष्ठिर संवादः' के महत्व को अपने शब्दों में व्यक्त करेंगे।
	३. छात्र प्रस्तुत पाठ से मिलने वाली शिक्षा को बतायेंगे।
क्रियात्मक उद्देश्य	(i) छात्र यक्षयुधीष्ठिर संवादः पाठ के पदों का प्रभावशाली वाचन करेंगे।
	२. छात्र 'यक्ष युधीष्ठिर संवाद' के महत्व को समझेंगे।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

सहायक सामग्री

कक्षापयोगी उपकरण ।

पूर्वज्ञान -

छात्र यक्ष और युधिष्ठिर के बीच हुए संवाद के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं ।

प्रस्तावना के प्रश्न

क्र॰स॰	छात्राध्यापक क्रिया:	छात्र: / छात्रा: क्रिया:
(1)	भूमे: गुरुतरं किंस्वित् ?	माता
	वायो: शीघ्रतरं किंस्वित् ?	मन:
	क: श्रुमान् पण्डित: ज्ञेय:	धर्मज्ञ:
	असाधु: कीदृशा: स्मृता ?	निर्दय:

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

उद्देश्य कथन –

बच्चों । आप हम लोग 'यक्ष युधिष्ठिर संवाद' पाठ का विस्तृत अध्ययन करेंगे ।

प्रस्तुतीकरण –

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया:	छात्र /छात्रा क्रिया	श्याम पट्ट कार्य
1.	किंस्विद गुरुतरं – – – – – – – बहुतरं तृणात्		
आदर्श वाचन	छात्राध्यापक उचित आरोह अवरोह के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेंगे ।	छात्र /छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेंगे ।	
अर्थ –	यक्ष – भूमि का गुरु कौन है। आकाश से ऊँचा कौन है। वायु से भी तेज चलने वाला क्या है। तिनके से तेज जलने वाला क्या है । युधिष्ठिर – माता भूमि से महान है।		

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

	पिता आकाश से ऊँचा तथा चिन्ता तिनके से भी तेज चलती है।		बहुतरम - अपेक्षाकृत अधिक
अनुकरण वाचन -	छात्राध्यापक छात्रों में अनुकरण वाचन करायेंगे। तथा कठिन शब्दों का अर्थ बतायेंगे।	छात्र उसका अनुकरण करेंगे।	
9.	किंस्वित प्रवसतो — ———— मित्र मरिष्यतः		
आदर्श वाचन -	छात्राध्यापक उचित आरोह अवरोह के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।	छात्र / छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	
अर्थ -	यक्ष - प्रदेश का मित्र कौन होता है। गृहस्वामी का रोगी का मित्र कौन होता है। युधिष्ठिर - प्रदेश में मित्र सहयात्री होते हैं। गृहस्वामी का मित्र उसकी पत्नी होती है। तथा रोगी का मित्र वैद्य होता है। और मरने वाले का मित्र दान देता होता है।		प्रवसतः - प्रदेश में रहने वाले का आतुरस्य - रोगी का मरिष्यतः मरने वाले का सार्थः - सहयात्री

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

अनुकरण वाचन -	छात्राध्यापक छात्रों में अनुकरण वाचन करेंगे। तथा कठिन शब्दों का अर्थ बतायेंगे।	छात्र उसका अनुकरण करेंगे।	
3	कः पण्डितः - - - - - मत्सरा स्मृताः	छात्र / छात्रा	
आदर्श वाचन -	छात्राध्यापक उचित आरोह-अवरोह के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।		पुमान पुरुष मत्सराः ईर्ष्या धर्मज्ञः धर्म की जानने वाला संतापः हृदय की जलन।
अर्थ -	पुरुषों में कौन पण्डित होता है। किसको नास्तिक कहते हैं। कौन मूर्ख होता है तथा कामी किसको कहते हैं और ईर्ष्यालु की स्मृति क्या है। युधिष्ठिर पुरुषों में धर्मज्ञ पंडित होता है। नास्तिक मूर्ख होता है तथा जो संसार हेतु कामी होता है। तथा हृदय की जलन से ईर्ष्यालु स्वभाव होता है।		

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

पुनरावृत्ति कार्य

1. खात् उच्चतरं च किंस्वित् ?
2. तृणात् बहुतरं किंस्वित: ?
3. क: पुमान् पण्डित ज्ञेय ?

गृहकार्य

1. खात् उच्चतरं च किंस्वित ?
2. असाधु कीदृश: स्मृत ?

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

पाठ योजना संख्या - 8

विद्यालय का नाम

दिनांक	कक्षा	विषय	कक्षांक्षा	अवधि

प्रकरण 'संस्कृतम्'

सामान्य उद्देश्य

(i) छात्रों में संस्कृत भाषा के प्रति अनुराग उत्पन्न करना।

2. छात्रों को अपने चरित्र विकास में सहायता मिल सके।

3. उन्हें संस्कृत भाषा में परिचय प्राप्त हो सके। जिससे वे पाठगत भावों विचारों को ग्रहण कर सके।

4. छात्रों के शब्द भण्डार में वृद्धि करना जिसमें वे नये-2 शब्दों को समझकर उनका उपयोग कर सके।

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

विशिष्ठ उद्देश्य

1. ज्ञानात्मक उद्देश्य	(1) छात्र संस्कृत के महत्व को बतायेंगे।
2. भावात्मक उद्देश्य	2. छात्र संस्कृतम् साहित्य को पढ़ने में रुचि लेंगे।
	3. छात्र 'संस्कृतम्' के महत्व को अपने शब्दों में व्यक्त करेंगे।
	4. छात्र प्रस्तुत पाठ से मिलने शिक्षा को बतायेंगे।
3. मनोगत्यात्मक उद्देश्य	छात्र 'संस्कृतम्' पाठ के पंद्यांश का प्रभावशाली वाचन करेंगे।

सहायक सामग्री —

चार्ट, चपीट श्यामपट्ट चॉक, डस्टर, फ्लैश, कार्ड पॉइंटर।

पूर्व ज्ञान —

छात्र संस्कृत के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

SMT. SHYAMADEVI Degree College of Science & Management

प्रस्तावना के प्रश्न

क्र. स.	छात्राध्यापक क्रिया:	छात्र / छात्रा क्रिया:
1.	संस्कृतम् कस्य साधकम् अस्ति?	भारतीय एकता
2.	संस्कृतम् कस्य विस्तारकं अस्ति?	विश्व बन्धुत्व
3.	संस्कृतिम् कयो: सम्मेलन: अस्ति?	ज्ञान - विज्ञान

उद्देश्य कथन –

बच्चों! आज हम लोग 'संस्कृतम्' पाठ का विस्तृत अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण –

शिक्षण विन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र/छात्रा क्रिया	श्याम पट्ट कार्य
1.	भारतीयैकता — — संस्कृतम्।		
आदर्श वाचन	छात्राध्यापक उचित आरोह अवरोह के साथ आदर्श वाचन करेंगे।	छात्रा/छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	भारतीय एकता साधकम् भारतीय एकता को सिद्ध करने वाला
अर्थ	भारतीय एकता को सिद्ध करने वाला संस्कृत है। समपोषक संस्कृत है। ज्ञान समूह के प्रकाश को दिखलाने वाला संस्कृत है। तभी सभी आनन्द समूह को देने वाला संस्कृत है।		

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

अनुकरण वाचन -	छात्राध्यापक छात्रों में अनुकरण वाचन करायेंगे तथा कठिन शब्दों का अर्थ बतायेंगे।	छात्र उसका अनुकरण करेंगे।	
२.	विश्ववन्धुत्व - - - - — — संस्कृतम्॥		
आदर्शवाचन	छात्राध्यापक उचित आरोह-अवरोह के साथ पाठ का आदर्शवाचन करेंगे।	छात्र/छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	
अर्थ	विश्व वन्धुत्व का विस्तारक संस्कृत है। सभी प्राणियों के प्रति एकता की भावना। संस्कृत के सभी जगह शान्ति की स्थापना करने वाला संस्कृत है। पंचशील के सिद्धान्तों की प्रतिष्ठा करने वाला संस्कृत है।		
अनुकरण वाचन -	छात्राध्यापक छात्रों में अनुकरण वाचन करायेंगे। तथा बताये कठिन शब्दों का अर्थ बतायेंगे।	छात्र उसका अनुकरण करेंगे।	
पुनरावृत्ति कार्य -	संस्कृतम् कस्य विस्तारकम् अस्ति ?		
२.	संस्कृतम् कयोः सम्मेलनं अस्ति ?		
गृहकार्य -	कात्यायनी का अस्ति ?		

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date ....

पाठ योजना संख्या-9

विद्यालय का नाम

दिनांक	कक्षा	विषय	कालांश	अवधि
	7	संस्कृत	IV	35

प्रकरण – 'विश्वबन्धुत्वम्'

सामान्य उद्देश्य

1. छात्रों के शब्द भण्डार में वृद्धि करना जिसमें वे नये-नये शब्दों को समझकर उनका उचित प्रयोग कर सकें।
2. वह पाठगत ध्वनियों शब्दों एवं वाक्यों का शुद्ध उच्चारण करेंगे।
3. उन्हें संस्कृत भाषा में परिचय प्राप्त हो सके जिससे वे पाठगत भावों एवं विचारों को ग्रहण कर सकें।
4. छात्रों को संस्कृत भाषा के प्रति अनुराग उत्पन्न करना।
5. छात्रों को आम व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने में सहायता प्रदान करना। छात्रों में विविध पाठ के माध्यम् से कल्पना शक्ति का विकास करना।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Expt. No. .... Date .... Page No. 47

विशिष्ट उद्देश्य	
ज्ञानात्मक उद्देश्य (i)	छात्र विश्ववन्धुत्व के महत्व को बतायेंगे।
भावात्मक उद्देश्य 2	छात्र संस्कृत साहित्य की पढ़ने में रुचि लेंगे।
3.	छात्र विश्ववन्धुत्वम् पाठ के महत्व को अपने शब्दों में व्यक्त करेंगे।
4.	छात्र प्रस्तुत पाठ से मिलने वाली शिक्षा को बतायेंगे।
मनोगत्यात्मक उद्देश्य (i)	छात्र 'विश्ववन्धुत्वम' पाठ के गंद्यांश का प्रभावशाली वाचन करेंगे।

सहायक सामग्री – चाक, डस्टर, लपेट श्यामपट्ट, प्वाइंटर।

पूर्वज्ञान – छात्र विश्ववन्धुत्वं के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना प्रश्न –

क्र.सं.	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्रा क्रिया
	वसुधैव कुटुम्बक केषां मते भवति:	उदारचरितानां।
	मानव: मानवम् प्रति कीदृशम् आचरणं कुर्यात ?	वन्धुवत।
	एका देशा: अन्येन देशेन सह कीदृशम् व्यवहारं कुर्यात।	वन्धुतायाः।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

उद्देश्य कथन

बच्चों ! आज हम लोग विश्वबन्धुत्वम् पाठ का अध्ययन करेंगे ।

प्रस्तुतीकरण -

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र / छात्रा क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
(1)	विश्वस्य सर्वान - - ..... सम्भवति/		
आदर्श वाचन –	छात्राध्यापक उचित आरोह अवरोह के साथ पाठ का आदर्श वाचन करेंगे ।	छात्र / छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेंगे ।	
अर्थ	संसार के सभी लोगों के प्रति भाई-चारे का भाव ही विश्वबन्धुत्व कहा जाता है । शान्तिमय जीवन ही विश्वबन्धुत्व भावना की महानता कही जाती है । यह भावना आवश्यक एवं अनिवार्य है । सभी लोगों के हित और सभी लोगों के सुख के बिना बन्धुत्व की भावना सम्भव नहीं है ।		नितराम - पूरी तरह अपरिहार्या अनिवार्य

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

अनुकरणवाचन	छात्राध्यापक छात्रों में अनुकरण वाचन करायेंगे। तथा कठिन शब्दों का अर्थ बतायेंगे।	छात्र उसका अनुकरण करेंगे।	
2.	**साम्प्रतम आढीमी - - - - - - - - अभाव: स्व।**		
आदर्शवाचन -	छात्राध्यापक उचित आरोह - अवरोह के साथ पाठ का अनुकरण वाचन करेंगे।	छात्र छात्रा ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	
अर्थ	विश्व समस्त विश्व में कलह सम्भवाति अशान्ती का साम्राज्य व्याप्त है। जो साधन सम्पन्न मानव है वे सुख के स्थान पर दुःख का अनुभव करते यद्यपि ज्ञान के बल से मानव वायुयान से आकाश में घूम रहा है। जल यान से विश्व भ्रमण कर रहा है। मंगल तथा चन्द्रग्रही पर जाने में सफल है। फिर भी आपसी सम्बन्ध कटु एवं अशान्त है। इसके प्रमुख कारण विश्व बन्धुत्व की भावना का आभाव है।	सम्भव ही सकता है। साम्प्रतम - इस समय कही सन्तुर्म पार करने के लिए	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

पुनरावृत्ति कार्य –

वसुधैव कुटुम्बकं केषां मते भवति?

सर्वेषु मानवेषु सम्मानं किं प्रवाहति?

गृहकार्य –

जनाः परस्परं कलह किमर्थं कुर्वन्ति ?

बन्धुत्वं विना किं न सम्भवति ?

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature: ....

पाठ योजना संख्या- 10

विद्यालय का नाम

दिनांक	कक्षा	विषय	कालांश	अवधि
	8	संस्कृत	IV	35

प्रकरण– ग्राम्य जीवनम्

सामान्य उद्देश्य

(i) छात्रों की लेखन शैली में विकास करना

(ii) छात्रों की मानसिक शक्ति के साथ-२ जागरूकता उत्पन्न करना है।

(iii) छात्रों के शब्द - भण्डार में वृद्धि करना।

(iv) जिससे वे नये -२ शब्दों को समझकर उनका उचित प्रयोग कर सके।

विशिष्ट उद्देश्य

ज्ञानात्मक उद्देश्य छात्रों को ग्राम्यजीवनम् पाठ के महत्व को बताना।

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

2. भावात्मक उद्देश्य	छात्र संस्कृत साहित्य को पढ़ने में रुचि लेंगे।
2.	छात्र संस्कृत 'ग्राम्यजीवनम' के महत्व को अपने शब्दों में व्यक्त करेंगे।
3.	छात्र प्रस्तुत पाठ से मिलने वाली शिक्षा को बतायेंगे।
3. मनोगत्यात्मक उद्देश्य	छात्र 'ग्राम्यजीवनम्' पाठ के पद्यांश का प्रभावशाली वाचन करेंगे।

सहायक सामग्री –

चाक, डस्टर, लपेट श्यामपट्ट चार्ट, फ्लैश कार्ड।

पूर्वज्ञान –

छात्र गाँव के जीवन के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

प्रस्तावना प्रश्न

क्र॰ स॰	छात्राध्यापक क्रिया	छात्रा: क्रिया:
1.	कृषका: क्षेत्राणि केन कुर्वन्ति?	हलेन।
	निः स्वार्थमेव फलं छायाञ्च के प्रयच्छन्ति ?	वृक्षा:।
	ग्रामेषु अल्पव्ययसाध्यं किं भवति ?	मनोरञ्जनम्

उद्देश्य कथन –

बच्चों आज हम लोग 'ग्राम्यजीवनम्' पाठ का विस्तृत अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण –

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र छात्रा क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
1.	ग्राम्यजीवनं - - - वपन्तीच		
अर्थ	गाँव का जीवन सुव्यवस्थित होता है। गाँव में प्रायः सभी लोग वन एवं नगर में जीवन नहीं होता है। जैसे गाँव और नगर के बीच में होता है। ग्रामीण लोग प्रायः कृषक होते हैं। वे प्रातः काल को खेत में जाते हैं। तथा शाम को वापस आते हैं। खेती में नहर से सिंचाई होती है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे।	

पुनरावृत्तिकार्य

(1) ग्राम्यजीवनम् कीदृशं भवति ?

2. क्षेत्रेषु जनाः कदा कार्यं कुर्वन्ति ?

3. प्राचीनकाले ग्रामेषु केषां सौविध्यं नासीत् ?

गृहकार्य -

(1) ग्राम्य जीवनं सुकरं कदा भवति ?

(2.) ग्राम निवासीभिः सम्भूय किं विधेयम् ?

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management